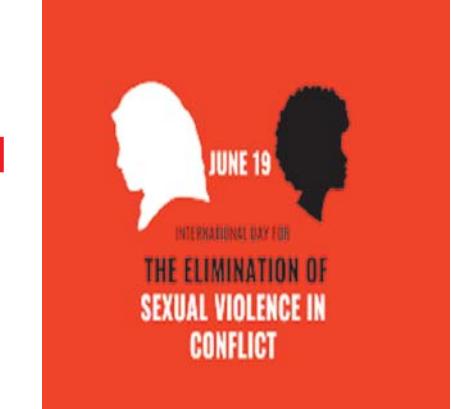


वर्ष 52/ अंक 297/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेन्द्र पटेल

भोपाल, सोमवार 19 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित

भोपाल की धड़कन



■ आरएनआई 22296/71 ■ डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

dainiksandhyaprakash.in

### सांख्यप्रकाश विशेष

## मुख्यमंत्री ने बिएड जिले के 5 व्यक्तियों को औचक फोन लगा कर जानी समस्या, दिये त्वरित समस्या समाधान के निर्देश

ग्वालियर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिएड जिले की श्रीमती सुनीता देवी, रामकार्यों के दल में पाँचों व्यक्तियों के घर पहुंच उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। बिंद के वार्ड क्रमांक 24 हुमान नगर जानान रोड निवासी श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री रामशंकर ने बताया कि उनके खाते में लाइफों बहना योजना की राशि नहीं आई। जाँच में पाया गया कि श्रीमती सुनीता की जरा भी बवाल या चिता नहीं करें। सबकी समस्या का न्यायालित समाधान करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फोन पर क्लेक्टर को शिकायत और समस्या का त्वरित, न्यायालित, योग्यतापूर्ण और संतुष्टिप्रकाश समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान से मिले निर्देश के

अनुपालन में क्लेक्टर द्वारा गठित संबंधित अपार्टमेंटों के दल में पाँचों व्यक्तियों के घर पहुंच उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। बिंद के वार्ड क्रमांक 24 हुमान नगर जानान रोड निवासी श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री रामशंकर ने बताया कि उनके खाते में लाइफों बहना योजना की राशि नहीं आई। जाँच में पाया गया कि श्रीमती सुनीता की जरा भी बवाल या चिता नहीं करें। सबकी समस्या का न्यायालित समाधान करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फोन पर क्लेक्टर को शिकायत और समस्या का त्वरित, न्यायालित, योग्यतापूर्ण और संतुष्टिप्रकाश समाधान करने के निर्देश दिए।

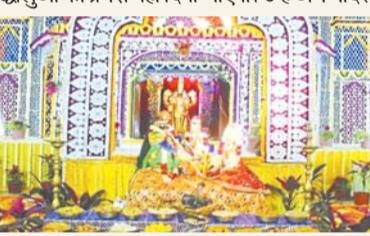
मुख्यमंत्री श्री चौहान को धन्यवाद दिया।

## इंदौर के इस प्रसिद्ध मंदिर में लागू हुआ ड्रेस कोड, अब इन श्रद्धालुओं को नहीं मिलेगा प्रवेश

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर के प्रसिद्ध त्रिपुरा बालाजी वेंकटेश मंदिर प्रशासन ने भारतीय संस्कृत और परम्परा के उद्देश्य से श्रद्धालुओं को लिए ड्रेसकोड लागू कर दिया है। मंदिर में अब बस्त्रा, मिनी स्कर्ट, लाप वैट पहने श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्हे अब मंदिर के बाहर से ही दर्शन कर लेना होगा।

त्रिपुरा बालाजी वेंकटेश मंदिर के मुख्य द्वार के बाहर और मंदिर के भीतर दो नियमित बांडलगाए गए हैं। जिस पर लिखा गया है कि सभी महिला-पुरुष मंदिर परिसर में मर्यादित वस्त्र पहनकर प्रवेश करें, छोटे वस्त्र या कटी-फटी जींस पहने लागें तो वाह से ही दर्शन करते होंगा।

मंदिर स्ट्रूट का कहना है कि कई दिनों से दर्शन में आ रहा था कि लोग अमर्यादित वस्त्र पहनकर मंदिर में आ रहे थे, वेस्टस्ट्राई की एक गरिमा है, जिसका पालन करना सभी का कर्तव्य है। इस तरह के कई निर्णय लेने वाला इंदौर का यह पहला मंदिर है। मंदिर प्रबंधन के मनोज मोदी ने बताया कि भारतीय संस्कृति की गरिमा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया।



## मुंबई में हिंदू संगठन ने आदिपुरुष का शो रुकवाया, कई जगह विरोध

मुंबई। प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष को लेकर विवाद जारी है। मुंबई के नालासोपारा में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विवाह शाम को फिल्म का शो रुकवा दिया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने थिएटर में पहुंचकर नरेबाजी की ओर दर्शकों से हांह के बाद जाने की कहाँ। इसके बाद शो रुक दिया गया। छोटीसागर के बिलासपुर में विवाह की शाम रुकवावी थी ही। इसके बाद शो रुक दिया गया। पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए बीरिकड़ी भी की थी, लेकिन वे इसे तोड़कर माल के अदर झुस गए। इनके बाद हाँत के सामने बैठकर हुमान चालीसा का पाठ करने लगे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करके हटाया।



ग्वालियर-चंबल के ऊपर से निकल रहा बिपरजाय, श्योपुर में तेज बारिश शुरू

राजस्थान के 4 जिलों में बाढ़, अब तक 7 की जान गई

बिपरजाय तूफान के कारण राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी है। जयपुर में सौबहर कोटीक, बंटी, कोटा, लारा, दौसा, सर्वामध्यपुर, करौली में भारी बारिश की संभावना जारी है। यहाँ अंगूज अलंकर तो अजमर, जयपुर भौलालाड़ा, चित्तोड़गढ़, जालालाड़ा, धौलपुर के लिए यहाँ अंतर्ट जारी किया गया है। अंजमर में बारिश भी शुरू हो गई। पिछले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में बारिश हुई। कई घानों पर 300 मीमी याती 12 घंट तक बारिश रिकॉर्ड की गई।

उदयमिता एवं निवेश का अनुकूल परिवेश

## मध्यप्रदेश एमएसएमई समिट 2023

19 जून, 2023, प्रातः 9.30 बजे

होटल आमेट ग्रीन्स, नर्मदापुरम मार्ग, भोपाल

मुख्य अतिथि  
शिवराज सिंह चौहान  
मुख्यमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति  
ओम प्रकाश सखलेचा  
मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग  
मध्यप्रदेश शासन  
श्रीमती इमरती देवी  
अध्यक्ष  
मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्र

- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से एमएसएमई का आधुनिकीकरण
- वित्तीय समाधान के नए आयाम
- क्लस्टर विकास
- एमएसएमई को परिस्थिति अनुरूप समर्थ बनाना और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना
- उद्यमिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण
- डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकता

आर्थिक विकास के शुभ संयोग  
प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग

सीधा प्रसारण  
@Cmmadhyapradesh  
@jansampark.madhya pradesh  
@jansamparkMP  
JansamparkMP

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन

शिवराज सिंह चौहान  
मुख्यमंत्री

# राज-काज़: मग्ने हिमाचल, कर्नाटक दोहरा पाएंगी प्रियंका...

दिनेश निगम 'त्वारी'

जून के दूसरे हफ्ते में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के मप्र दौरे से कांग्रेस ने अपनी रणनीति सफ कर दी है। प्रियंका जिस तरह हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में सक्रिय थीं, उसी तरह पर मप्र विधानसभा चुनाव में सक्रिय होने वाली हैं। हिमाचल और कर्नाटक की तरह अपनी पहली रैली में ही उन्होंने कांग्रेस की सत्ता आने पर 5 गारंटियों की घोषणा कर दी है। यह प्रदेश में प्रियंका का चुनाव प्रचार का आगाज माना जा रहा है। लोगों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस मप्र में भी हिमाचल, कर्नाटक को दोहरा पाएगी?

मप्र के राजनीतिक लोगों द्वारा भी हिमाचल और कर्नाटक से अलग हाली नहीं हैं। उन दोनों प्रदेशों की तरह मप्र में भी कांग्रेस का संगठन मजबूत है। भाजपा से कांग्रेस का सीधा सुकलाल है। कर्नाटक की तरह मप्र में भी कांग्रेस ने बाहरी समर्थन से सरकार बना ली थी। लेकिन वहाँ की तरह यहाँ भी विधायकों को तोड़कर भाजपा सत्ता में आई। हालांकि हिमाचल और कर्नाटक में आमतौर पर सत्ता बदलती रहती है लेकिन मप्र में ऐसा नहीं है। 15 माह छोड़ दें तो यहाँ 18 साल से लगातार भाजपा सत्ता में काबिज है। भाजपा को पिछले चुनाव में एंटी इन्कॉम्बी का सामना करना पड़ा था, इस बार भी इसका असर हो रहा है। नज़र रहने गांधी और प्रियंका पर है, ये दोनों यहाँ कितना समय दे पाते हैं, क्योंकि मप्र त्रियों के चुनाव एक साथ होंगे।

एक दर्जन निकायों के चुनाव 'खेले की धंती'

प्रदेश के अलग-अलग जिलों के निकायों में 13 पार्षदों के लिए हुए चुनाव बाहर से देखें में ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हैं लेकिन नीतीजे कई संकेत देते हैं। भाजपा-कांग्रेस के लिए ये चुनाव एक साथ होंगे।

जून तुम जीते' जैसे भी हैं क्योंकि दोनों दल लगभग बाबरारी पर हैं। भाजपा ने 7 बार्डों में जीत दर्ज की है और कांग्रेस ने 6 में। बावजूद इसके दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। भाजपा खुश है क्योंकि कमलनाथ के छिंदवाड़ा में भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है और कांग्रेस इसलिए क्योंकि स्थानीय चुनावों में भी वह भाजपा की बाबरारी पर है।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में एआईपी वर्ष मंत्री दीपक जोशी ने एक बार्ड का उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ कांग्रेस 20 साल बाबरा जीती है। यह भाजपा-कांग्रेस का अपना-अपना नज़रिया है, लेकिन नीतीजे दोनों दलों के लिए खतरे की धंती बजा रहे हैं। भाजपा लंबे समय से सत्ता में है, इसलिए वार्डों के चुनाव में उसे नहीं हारना चाहिए, क्योंकि आमतौर पर स्थानीय चुनाव सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जाते हैं। इससे साफ़ है कि जीमीनी स्तर पर लोगों के बीच भाजपा का ग्राफ़ गिर रहा है। कांग्रेस को भी इसलिए ज्यादा खुश नहीं होना चाहिए क्योंकि वह छिंदवाड़ा जैसे अपने गढ़ में हार गई। लिहाजा भाजपा-कांग्रेस द्वावा चाहे जो करें लेकिन ये चुनाव दोनों के लिए खतरे की धंती हैं और सबक भी।

फिर बाहर आया नेतृत्व में बदलाव का जिन्न-

भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन का मसला जिन्न जैसा हो गया है। चाहे जो चर्चा में आता और चाहे जब गायब हो जाता है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष के प्रदेश दौरे के बाद यह जिन्न एक बार फिर बाहर है। कहा जा रहा है कि संतोष का दौरा प्रदेश नेतृत्व में बदलाव को लेकर चल रही कावायद का हिस्सा भी है। केंद्रीय एवं



राज्य नेतृत्व के बीच सेतु का काम कर रहे हैं राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय। खबर है कि संतोष और राज्य संसद मंत्री शिव प्रकाश की कैलाश विजयवर्गीय के साथ प्रदेश में संभावित बदलाव को लेकर चर्चा हुई है।

भाजपा सरकार और संगठन में अब बदलाव यानि भटकाव- इस संदर्भ में कैलाश भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मिलकर पूरी रिपोर्ट देंगे। कैलाश पहले से इस कावायद का हिस्सा हैं। हालांकि अब भी इन खबरों को अंतिम मत मानिए, यह सिर्फ़ कायास ही है, जो राजनीतिक गलियारों में चर्चा के केंद्र में है। राजनीतिक जनकार प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना से इंकार रही कर रहे हैं, यह सरकार स्तर पर पर

होगा या संगठन स्तर पर, इसे लेकर कोहांसा छंटा नहीं है। भाजपा और संघ के बीच लगतार यह फीडबैक पहुंच रहा है कि मप्र में भाजपा आसानी से जीतने की स्थिति में नहीं है। इसके लिए संगठन और सरकार का नेता बदला जाए या मंत्रिमंडल में फेरबदल करने से काम चल सकता है, इसे लेकर कवायद चल रही है।

भाजपा-कांग्रेस में 'नहले पर दहला' की चाल- विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर भाजपा-कांग्रेस के बीच ताश के पत्तों की तरह 'नहले पर दहला' चला जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान भी लगभग हर वर्ष के लिए नई-नई योजनाएं लाने कर रहे हैं। जनता को किसी चाल परसद आई, यह चुनाव नवीनी जीत बताएंगे।

छिंदवाड़ा में भाजपा के युवा संदीप का कमाल-

कमाल- छिंदवाड़ा में भाजपा के युवा चेहरे संदीप सिंह चौहान भी लगभग हर वर्ष के लिए नई-नई योजनाएं लाने कर रहे हैं। जनता को किसी चाल परसद आई, यह चुनाव नवीनी जीत बताएंगे।

छिंदवाड़ा में भाजपा के युवा संदीप का कमाल- छिंदवाड़ा में भाजपा के युवा चेहरे संदीप सिंह चौहान ने कमाल कर दिया। इस युवा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ की नीचे से जीत छीन ली। जीत भी चौतरफ़ा के लगभग हर पोलिंग बूथ में संदीप को अच्छे बोट मिले। बार्ड का चुनाव यह युवा लगभग साढ़े 4 सौ लोगों के अंतर से जीत। नवीनी जीत बताता है कि छिंदवाड़ा में भाजपा भले कमलनाथ की कांग्रेस को नहर पाए लेकिन लोगों से सतत संपर्क में रहने वाला कोई भी व्यक्ति जीवा मार सकता है। संदीप को छिंदवाड़ा भाजपा का उभरता युवा चेहरा कहा जाए तो अतिशयोंकि नहीं। उसके लगातार लोगों के संपर्क में रहने और पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहने की खबर है। भाजपा नेतृत्व को चाहिए कि वह संदीप जैसे युवाओं को कांग्रेस के गढ़ में आगे बढ़ाए और पोराए हो चुके युवाओं को घर बैठ कर मार्गदर्शन करने को कहे। इस रणनीति से ही कांग्रेस के गढ़ों को ढाहया जा सकता है। हालांकि नेंद्र मोदी- चौहान ने 'लाइटली बहना योजना' की घोषणा की इसके रिस्पॉन्स को देखकर कांग्रेस को पैरों के नीचे से जमीन खिसकती दिखाया। शिवराज ने बहनों के खातों में एक हजार रुपय प्रतिमाह डालने की बात की थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ संक्रिय हुए और उन्होंने जवाबी 'नारी सम्मान योजना' का बाद कर दिया। इसके तहत उन्होंने महिलाओं को 1500 रुपय प्रतिमाह देने की घोषणा कर दी।

दोनों योजनाएं महिलाओं के बीच लोकप्रिय होती दिखीं। नवीनी जीतन, शह-मात के इस खेल में मुख्यमंत्री चौहान ने 'लाइटली बहना योजना' के बीच लगभग साढ़े 4 सौ लोगों के अंतर से जीत। नवीनी जीत बताता है कि छिंदवाड़ा में भाजपा भले कमलनाथ की कांग्रेस को नहर पाए लेकिन लोगों से सतत संपर्क में रहने वाला कोई भी व्यक्ति जीवा मार सकता है। संदीप को छिंदवाड़ा भाजपा का उभरता युवा चेहरा कहा जाए तो अतिशयोंकि नहीं। उसके लगातार लोगों के संपर्क में रहने और पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहने की खबर है। भाजपा नेतृत्व को चाहिए कि वह संदीप जैसे युवाओं को कांग्रेस के गढ़ में आगे बढ़ाए और पोराए हो चुके युवाओं को घर बैठ कर मार्गदर्शन करने को कहे। इस रणनीति से ही कांग्रेस के गढ़ों को ढाहया जा सकता है। हालांकि नेंद्र मोदी- चौहान ने 'लाइटली बहना योजना' की घोषणा की आगे बढ़ाए था। जीवा मार से यह परंपरा शुरू हो चुकी है। भाजपा हर चुनाव में अपने कुछ विधायिकों को घर बैठा देती है। कमलनाथ के नेतृत्व वाले सत्ता में हैं, इसलिए 10 जून से 'लाइटली बहना योजना' के एक हजार रुपय महिलाओं के खातों में पहुंचना शुरू हो गए। कांग्रेस ने 500 रुपय में

## शक्ति रन में लिया 1000 से अधिक युवाओं ने महिला सुरक्षा का संकल्प

सांख्य प्रकाश संचालक नामा ● भोपाल

नगरीय पुलिस, एक्शन एड, संगीनी एवं मध्य प्रदेश पर्टन निगम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित शक्ति रन रैली में लगभग 1000 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया। भोपाल पुलिस कमिशनर द्वारा भोपाल के विभिन्न स्थानों पर वर्चुअल सम्प्रदान की चाल रखने के लिए एक साथ हो रही है।

**हैपी डेज स्कूल ने दिए शिक्षा को नए आयान**

**भोपाल।** बांगमुलिया स्थित हैपी डेज स्कूल विगत 25 वर्षों से इस क्षेत्र में शिक्षा को लेकर संक्रिय है। हैपी डेज स्कूल के संचालक जितन सिंह ने बताया कि 1999 में उनके द्वारा इस स्कूल के शुरुआत को गई थी उस समय इस क्षेत्र में उत्तम विकास का संयोग नहीं हो रहा था। भाजपा की विधायिका को जिरिए काय करते हैं एवं अनेक गरीब छात्रों की सहायता करते हैं।

**कटारा हिल्स दिथित किंडस गार्डन स्कूल का बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन**

**भोपाल।** कटारा हिल्स नागपुर स्थित किंडस गार्डन स्कूल में दसवीं और बालवालों बीच परीक्षा परीक्षा में ज्यादा अधिमन्यु अधियान की शापथ ग्रहण कराई एवं युवाओं को महिला सुरक्षा संस्कार करने के लिए एक अधिक अंक हासिल किए गए। यहाँ अधिकारी एवं प्राचीन प्राप्तियों



## संवादों की यह

## संवादों में बेहुदापन

प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष के संवादों को लेकर पूरे देश में सियासत गरमाई हुई है। इस मामले में जहां कांग्रेस बीजेपी को घेरने में लागी हुई है, वहाँ बीजेपी के कई नेता भी इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं। कुछ खुलकर विरोध कर रहे हैं, तो कुछ दबों जुबान से। केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने तो फिल्म पर प्रतिवंध लगाने की मांग कर दी है।

केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह ने इस संबंध में लगातार दो ट्वीट किए हैं। पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा कि फिल्म आदिपुरुष, जो रामायण पर आधारित है। जिसमें हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम, माता जानकी, वीर हनुमान एवं अन्य चरित्रों का फिल्मांकन जिस तरीके से किया गया है पात्रों के मुंह से जिस प्रकार से भद्दे डायलॉग्स बोले गये हैं इससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

असल में हम लोग बचपन से ही हनुमान जी को ज्ञान, शक्ति और भक्ति के प्रतीक के रूप में देखते रहे हैं। उनके संवाद भक्ति भाव से परिपूर्ण होते हैं या फिर चेतावनी के तौर पर। परंतु उनके संवादों में हलकापन कभी नहीं सुना, भले ही कितनी ही रामलीलाएं देख ली हों, कितनी ही रामायणों का मंचन देखा हो। परंतु इस फिल्म में भगवान राम को युद्धक राम और बजरंग बली को एंग्री बर्ड के रूप में दिखाया गया है। जो बहुत क्रोधित है।



आंखें लाल हैं, बाल बिखरे हुए हैं। इस प्रकार की कल्पना ना हमारे पूर्वजों ने की थी ना ही आज का समाज स्वीकार करता है। आदिपुरुष फिल्म के संवाद और भाषा काफी अमर्यादित हैं। तुलसीदास ने रामायण में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा है। मर्यादित शब्दों का चयन किया गया है, लेकिन आदिपुरुष में हनुमान जी के पात्र का डायलॉग बेहद ही निन्म स्तर के हैं।

लोग आज भी किसी रामायण या रामचरित मानस के मंचन या प्रदर्शन की रामानंद सागर के रामायण सीरियल से ही तुलना करते हैं, जो पिछले कई दशकों में सबसे लोकप्रिय साथित हुआ। सीरियल जब आता था, उस समय बाजार बंद हो जाता था, गाड़ियां रुक जाती थी, काम-धाम छोड़कर सब रामायण का इंतजार करते थे। जिन घरों में टीवी हुआ करता था, वहाँ पूरा मोहल्ला एकत्र हो जाता था।

आदिपुरुष के बहाने भगवान राम और हनुमान की तस्वीर को पहले विकृत किया गया और अब उनके पात्रों से अमर्यादित शब्द बुलवाए गए हैं। हमारे आराध्य देव जिनके प्रति हमारी आस्था है, उनके पात्रों से ऐसा शब्द बुलवाना बेहद आपत्तिजनक है। इसकी मैं कड़ी निंदा करता हूं। आज की पीढ़ी जो ये देखीं, उस पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

आज ओटीटी या अन्य मंचों पर देखें तो, शब्दों की मर्यादा खत्म हो गई है, लेकिन जो लोग छोटी-छोटी बातों पर जो थिएटर बंद करते थे। आग लगाते थे। आज भी विरोध करते हैं, तोड़फोड़ करते हैं, आदिपुरुष के घटिया संवादों के नाम पर मौन धारण किए हुए हैं। तमाम कांग्रेस के नेता बीजेपी पर निशाना साध रहे हैं। कथाकथित राजनीतिक दल के लोग जो धर्म के ठेकेदार बनते हैं। आखिर वे इस मामले में मौन क्यों हैं? कश्मीर फाइल्स और केरल स्टोरी को लेकर बीजेपी और धर्म के ठेकेदार बयान देते रहे हैं, लेकिन आदिपुरुष को लेकर मौन साधे हुए हैं। क्या संवाद लिखने वाले इनके सहयोगी हैं, इसलिए? क्या संवाद लिखने वाले इनके ही बीच के हो गए हैं इसलिए? संवाद लिखक की एक खास बात यह है कि अचानक वो अपनी जाति भी लिखने लगे हैं, जबकि पहले नाम के साथ तखल्लस ही लिखा करते थे।

सवाल तो उठेंगे। आखिर कैसे संसर बोर्ड ने एक ऐसी फिल्म को प्रमाण पत्र दे दिया जो हमारी आस्था से खिलावड़ कर रही है, हमारे आराध्य का मजाक उड़ा रही है? देखा जाए तो फिल्मों को लेकर आज लोग बहुत संवेदनशील हो रहे हैं। लेकिन क्या कुछ खास विचारधारा के खिलाफ ही अभियान चल रहा है? क्या चेहरे और नाम देखकर ही समर्थन और विरोध किया जा रहा है? क्या कुछ मुद्रियों को लेकर ही विरोध किया जाता है? आखिर हम कहां जारहे हैं? यदि धर्म की ही बात करें तो आदिपुरुष का विरोध क्यों नहीं हो रहा? क्या हमारे धर्म के ठेकेदार, प्रवचनकर्ता इन संवादों के समर्थन में हैं? क्या वो चाहते हैं कि इस तरह के अभद्र संवाद आने वाले समय में फिल्मों में आम हो जाएं? क्या हम समाज को ऐसे गर्व की ओर ले जा रहे हैं, जहां लोग अपने परिजनों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करें? हमारे धर्मिक ग्रंथों में हमें ऐसी शिक्षा नहीं मिली। हमारी संस्कृति ने हमें यह नहीं सिखाया। जो मौन है, वो इस बेहुदा संवाद के समर्थक है, व्यावहारिक भाषा के पतन के संवादक हैं।

Vallabh Bhawan Corridors  
Central Vista

## सुरेश तिवारी

इन दिनों भाजपा में क्या चल रहा है, इस पर कांग्रेस



अग्रवाल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सचिव रह चुके हैं। उन्हें मुख्यमंत्री का विश्वसनीय और निकट अधिकारी माना जाता है। यह नहीं कहा जा सकता कि उन दोनों के बीच किस मुद्रे को लेकर लालची चर्चा हुई। लेकिन, यह निश्चित है कि वह चर्चा महत्वपूर्ण मुद्रों को लेकर ही हुई होगी। व्यक्तिक, अखरि 15 मिनट की चर्चा में दोनों के बीच जरूर कुछ ना कुछ तो पका होगा।

## ये होता है पर्यावरण संरक्षण का सही काम!

पर्यावरण संरक्षण की बातें करना और उपदेश देना बहुत आसान है। पर, इस दिशा में थोस कदम उठाना उतना आसान नहीं होता। पर, धर कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने अपने पर्यावरण प्रेम को साबित किया और उसे सार्थक भी किया। उन्होंने पर्यावरण दिवस पर मांडू की विश्व प्रसिद्ध खुरासानी इमली की जियो टैरिंग की शुरूआत की।

जिला प्रशासन ने सभी विभागों को इस संबंध में निर्देश भी जारी किए हैं। खास तौर पर यातायात पर चाहा जाम कर दिया। यह चक्राजाम एक घटे से ज्यादा समय तक रहा। चाहां तक वहाँ की लालची बात लग गई और लोग परेशान हो गए। पुलिस ने चक्राजाम के निकट एसें पेड़ों की जियो टैरिंग सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के बहुमत के आंकड़े को घटा दिया।

यहाँ वार्ता है पर्यावरण संरक्षण का सही काम!

जिला प्रशासन ने चक्राजाम के निकट एसें पेड़ों की जियो टैरिंग की शुरूआत की।

यहाँ वार्ता है पर्यावरण संरक्षण का सही काम!

यहाँ वार्ता है पर्यावरण संर









# नव उत्कर्ष के ९ वर्ष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में सशक्त, अतुल्य और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की प्रक्रिया जारी है, "सबका साथ-सबका विकास" का संकल्प लेकर मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है। राष्ट्र के नवनिर्माण में मध्यप्रदेश को जिम्मेदार भूमिका देने के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार। उनकी प्रेरणा से सभी योजनाओं को मध्यप्रदेश पूरी क्षमता के साथ लागू कर, जनहित और विकास के कामों में आगे बढ़ रहा है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

## धन्यवाद प्रधानमंत्री जी

समृद्ध कृषि-खुशहाल किसान

कौशल विकास से बढ़ा रोज़गार, युवाओं के सपने हुए साकार

सुशासन से सुनिश्चित हुआ जन-जन का हित

बेहतर आपदा प्रबंधन, सुरक्षित हुआ जनजीवन

सबल होती महिलायें बनीं प्रगति की सूत्रधार

सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं तक सबकी पहुंच

विश्व पटल पर पहचान, बढ़ता आत्मगौरव और सम्मान

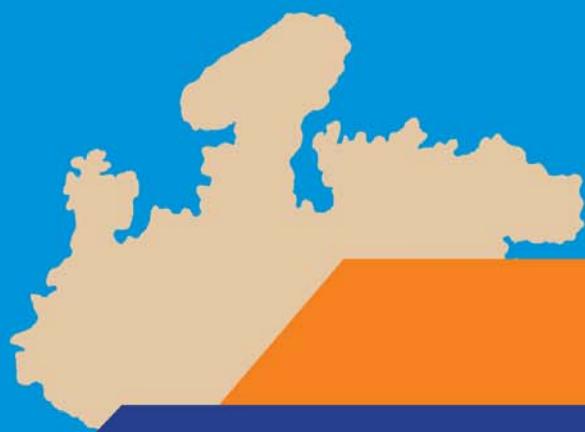
सांस्कृतिक संरक्षण का प्रण, विरासत को आगे बढ़ा रहे हम

सुदृढ़ अधोसंरचना पर बल-मजबूत बुनियाद, बेहतर कल

निर्धनों की सेवा और सहायता, हर जरूरतमंद को पूरी मदद



शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



### हर वर्ग खुशहाल, चौतरफा विकास

साथ है मोदी – शिवराज सरकार